नया ज़माना नया अखबार

■ वर्ष-6 अंक-44 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य ₹ 3 ■ विक्रम 2071, हिजरी 1436, अगहन कृष्ण पंचमी

पीपुल्स समाचार

twitter.com/PSamachar facebook.com/PEOPLESSAMACHAR1

इंदौर
मंगलवार 11 नवंबर 2014

www.peoplessamachar.co.in

स्कूल, कॉलेज व आईटीआई के छात्र पढ़ेंगे साइबर क्राइम रोकने के पाठ

एआईसीटीई ने देशभर के तकनीकी शिक्षा संस्थानों ध्यान में रखकर लिया फैसला

पीपुल्स स्पेशल

अवधेश शर्मा • इंदौर
मो.नं. 9425032009

केंद्र सरकार देशभर के शिक्षा व तकनीकी संस्थानों में साइब्रर क्राइम रोकने, संचार साधनों का सही एवं बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए स्कूल, कॉलेजों के साथ ही आईटीआई में भी इसका अध्यापन कराएगी। इससे जहां युवाओं को आईटी के बेहतर उपयोग की सीख मिलेगी, साइब्रर क्राइम रोकने में मदद मिलेगी, वहीं कौशल विकास भी बेहतर होने से रोजगार बढ़ेगा।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से जुड़ी संस्था ऑल इंडिया काउंसिल फार टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) ने देशभर के तकनीकी शिक्षा कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों एवं हायर सेकंडरी स्कूलों के कोर्स में साइबर सिक्योरिटी से संबंधित पाठों को शामिल करने का फैसला लिया है। इसमें आईआईटी, विभिन्न प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालयों व टीसीएस, इन्फोसिस जैसी नामी संस्थाओं के विशेषज्ञों की मदद ली है। इस दल में देश में एकमात्र आईपीएस को शामिल किया गया है, वे हैं मप्र के वरिष्ठ आईपीएस एवं वर्तमान में इंदौर के रेडियो ट्रेनिंग आईजी वरुण कपूर। बीते पखवाड़े में दो बार उन्हें दिल्ली आमंत्रित कर पाठ्यक्रम के लिए सुझाव लिए गए हैं। समझा जाता है कि वर्ष 2015 से इस तरह का पाठ्यक्रम पढ़ाई लिखाई के लिए लागू हो जाएगा।

इनका कहना है

मुझे 27 अक्टूबर एवं 3 नवंबर को एआईसीटीई ने दिल्ली बुलाया था। वे देश के

शिक्षण संस्थाओं में साइबर सिक्योरिटी संबंधित पाठ्यक्रम लागू करने वाले हैं। मेरी नजर में साइबर क्राइम लालच से बढ़ता है, लापरवाही से हम भी इसके शिकार हो सकते हैं।

- वरुण कपूर, आईजी रेडियो इंदौर

देश के आईपीएस को भी पाठ

कपूर ऐसे अधिकारी हैं जो साइबर संबंधित जानकारी, साइबर क्राइम रोकने के लिए भारतीय पुलिस अकादमी हैदराबाद में भी वर्कशॉप लेकर देशभर के पुलिस अधिकारियों को जानकारी देते हैं। 22 राज्यों की पुलिस को उन्होंने इसकी जानकारी दी है। भारतीय सेना, सशस्त्र बल, महू स्थित सैन्य छावनी में भी बलों को उन्होंने पाठ पढ़ाया है। इंदौर में 67 वर्कशॉप में उन्होंने 12000 स्कूली बच्चों एवं अन्य लोगों को साइबर क्राइम रोकने की जानकारी दी है।

इस तरह होगी पढ़ाई

नवीं से बारहवीं तक सात पाठ होंगे, जबकि आईटीआई में चार सेमेस्टर होंगे, बीई लेवल के कोर्स में तो एक पेपर ही साइबर सिक्यूरिटी का करने का मसौदा तैयार हो चुका है। देश में आईटीआई व तकनीकी संस्थाओ की संख्या ही हजारों में है, जबकि स्कूल लाखों में है। इसीलिए साइबर पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि इसकी अच्छाई ग्रहण करे, अपडेट रहे एवं गलत उपयोग न करे।